ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४२
दिनांक- शुक्रवार, १५ जून, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.५ एवं २४.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८२ सुबह में एवं दोपहर में ६६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.७ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.७ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.२ एवं दोपहर में ३४.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१६ से २० जून, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १६ से २० जून २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- मानसून के आगमन में विलम्ब होने के कारण पूर्वानूमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में वर्षा की अच्छी संभावना नहीं है। इस दौरान ज्यादात्तर दिनों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है, हालाकि कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इसकी संभावना (कहीं-कहीं हल्की वर्षा) पूर्वी एवं पश्चिमी चम्पारण, मुजफ्फरपुर एवं मधुबनी जिलों में अधिक है।
- इस दौरान दिन के तापमान में वृद्धि हो सकती है। २० जून तक अधिकतम तापमान ३९ से ४१ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान २८ से ३१ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन ७ से १२ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रुप से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ६५ से ७५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३५ से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- वर्षा की कम संभावना को देखते हुए सब्जियों तथा मक्का में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। मानसून के आगमन में विलम्ब होने के कारण पूर्वानूमानित अवधि में सामान्य से कम वर्षा एवं उच्च तापमान की स्थिति बन सकती है। धान की बीजस्थली में बिचड़ा को विपरीत मौसम के कूप्रभाव से वचाने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- सभी दुधारु पशुओं को गलघोंटू, लंगड़ी एवं खुरहा विमारियों से वचाव के लिए टिकाकरण आवश्य करा लें। पशुओं को हीट स्ट्रोक/लू से वचाने के लिए स्वच्छ ताजा पानी पूरे दिन दें। चारा-दाना सुबह में या शाम में जब धूप नहीं रहता है तव खिलायें। दिन में पशुओं को छायादार स्थान पर रखें। हीट स्ट्रोक लगने पर इटालाइट ओरल, सैकोलाइट-डी आदि दवाए पानी में घोलकर पिलाए।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे- कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर २०-२५ टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर ६० किलो ग्राम नेत्रजन, ५० किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल ३ मी० x १ मी० की दूरी पर लगायें। प्रति थाल २-३ मी० बीच पर बोयें।
- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। खरीफ प्याज के लिए एन० -५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हे० रखें।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिडी-१, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का २ से २.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर १५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- उत्तर विहार के लिए अनुशंसित मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.५ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः २४.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.३ डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी